चीनी उत्पादन 10 फीसदी घटने का अनुमानः श्रीरेणुका

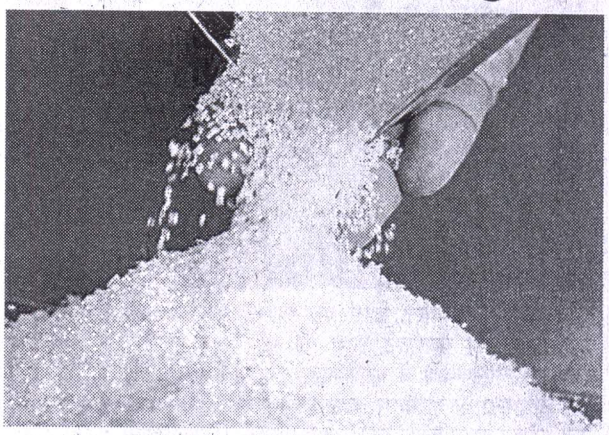

महाराष्ट्र व कर्नाटक में गन्ने का रकबा 25 फीसदी तक कम

प्रेट्र • नई दिल्ली

प्रमुख चीनी उत्पादक कंपनी श्रीरेणुका शुगर्स का कहना है कि अगले अक्टूबर से शुरू होने वाले मार्केटिंग वर्ष 2013-14 के दौरान देश में चीनी का उत्पादन 8 से 10 फीसदी घट सकता है।

कंपनी के अनुसार अगले सीजन में उत्पादन घटकर 220-225 लाख टन के बीच रहने का अनुमान है। सितंबर में समाप्त हो रहे मौजूदा सीजन 2012-13 में चीनी का उत्पादन 245 लाख टन रहने का अनुमान है। कंपनी की एक्जीक्यूटिव चेयरपर्सन विद्या एम. मुरकुम्बी ने कहा कि पिछले साल महाराष्ट्र व कर्नाटक में सूखे के कारण गन्ने की रोपाई प्रभावित हुई थी।

पर्याप्त सिंचाई न हो पाने के कारण काफी फसल बर्बाद हो गई। इस वजह से इस साल इन राज्यों में अगले सीजन के लिए गन्ने का एरिया काफी कम रहेगा। पिछले साल रोपाई वाले गन्ने के खेतों से अगले सीजन में दूसरी फसल ली जाएगी। इन दोनों राज्यों में गन्ने का क्षेत्र काफी कम रहने से गन्ने की सप्लाई प्रभावित होगी और उत्पादन घटकर 220-225 लाख टन के बीच ही रह जाएगा। महाराष्ट्र देश का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक राज्य है।

सरकारों आंकड़ों के मुताबिक गन्ने का बुवाई क्षेत्रफल इस साल करीब 42.09 लाख हैक्टेयर है जबकि पिछले साल यह एरिया 46.78 लाख हैक्टेयर था। पिछले सप्ताह तक चालू सीजन में महाराष्ट्र के किसानों ने सिर्फ 3.36 लाख हैक्टेयर में गन्ने की रोपाई की है। आंकड़ों के मुताबिक किसानों ने कर्नाटक में 13,000 और तमिलनाडु में 7,000 हैक्टेयर में गन्ने की रोपाई की।

विद्या मुरकुंबी के मुताबिक महाराष्ट्र में गन्ने का एरिया पिछले साल के मुकाबले करीब 15-20 फीसदी कम है। कर्नाटक में भी क्षेत्रफल 25 फीसदी कम है। इस साल भी पश्चिमी महाराष्ट्र में बारिश हो रही है।

दूसरे क्षेत्रों में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध नहीं है। इसी तरह कर्नाटक के बगलकोट और बीजापुर क्षेत्र में भी यही स्थिति है। मौजूदा मानसून से फसल पर असर के बारे में उन्होंने कहा कि चालू सीजन में अच्छे मानसून से भी कोई फायदा नहीं होगा। हालांकि इसका फायदा अगले साल मिलने की उम्मीद है।